Title: Request to start relief work in the drought affected areas of Satna, Reeva, Sidhi, Sahdol and Umaria of Madhya Pradesh.

श्री रामानन्द सिंह : अध्यक्ष महोदय, मध्य प्रदेश में इस समय सूखे और अकाल की भयावह स्थिति है। मध्य प्रदेश में एक तिहाई जनसंख्या अनुसूचित जाति और जनजाति के लोगों की है, जो ज्यादातर खेत मजदूर हैं। इस वर्ा मध्य प्रदेश में वर्ा औसत से बहुत कम हुई और राज्य के दो तिहाई जिले सूखे से प्रभावित हो गए हैं। इस कारण मध्य प्रदेश में रीवा सम्भाग में, सतना रीवा, शहडौल सीधी, उमरिया, छतरपुर, कटनी में भयंकर सूखा है, इस क्षेत्र में सिंचाई क्षमता बहुत कम है। पूरे मध्य प्रदेश में देश की औसत सिंचाई से आधी सिंचाई होती है। लेकिन रीवा सम्भाग में केवल तीन प्रतिशत ही सिंचाई है। वहां हर दूसरे-तीसरे वर्ा सूखा पड़ता है। इस वर्ा बहुत कम वर्ा होने से स्थिति भयावह हो गई है। सतना जिले में रैगांव, मैहर, अमरपाटन में हजारों लोग राहत कार्यों के अभाव में सूरत, मुम्बई आदि दूसरी जगहों पर पलायन कर रहे हैं।

1232 बजे (डॉ. लक्ष्मीनारायण पाण्डेय पीठासीन हुए)

इस सम्भाग में पेयजल का संकट है। यूं तो यह संकट पूरे मध्य प्रदेश में है, लेकिन रीवा में संभाग के सतना,रीवा, सीधी,शहडोल जिलों में वाटर लैवल नीचे आ गया है। वहां करीब 50-60 प्रतिशत हैंड पम्प खराब पड़े हैं, जिनमें पानी नहीं है। राज्य सरकार के पास उनकी मरम्मत के लिए पैसा नहीं है। राज्य सरकार इस्टैब्लिशमेंट में ही पूरे बजट का 91.98 प्रतिशत खर्च कर रही है और निर्माण, विकास तथा राहत कार्यों के लिए पैसा नहीं है। मध्य प्रदेश के मुख्य मंत्री केवल प्रधान मंत्री और भारत सरकार को कोसते हैं, जबकि विभिन्न योजनाओं के लिए केन्द्र पैसा वहां भेज रहा है, लेकिन उसका सदुपयोग नहीं हो रहा है। राज्य के हजारों लोग सूखे और अकाल में भूखे मर रहे हैं। मैहर में भूख से अभी एक वृद्धा की मौत हुई

* Not Recorded

है। इसी तरह चित्रकूट क्षेत्र के प्रतापपुर गांव में भी एक वृद्धा के मरने का समाचार आया है। मेरी प्रार्थना है कि मध्य प्रदेश के सूखा प्रभावित क्षेत्रों विशेाकर सतना, रीवा, सीधी, शहडोल और उमरिया में तत्काल राहत कार्य खोलने के लिए भारत सरकार मध्य प्रदेश को दिशा-निर्देश दे और भारत सरकार यथासम्भव यहां से भी मदद करे, ताकि लोगों का पलायन रुके और उस क्षेत्र के लोगों को राहत कार्य, खाद्यान तथा पीने का पानी मिल सके।